आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–28 अगस्त 2026 सान्ध्य समाचार

देशभर में आज रक्षा बंधन का पर्व उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर, बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रंग–बिरंगी राखी बांधती हैं और उनकी समृद्धि, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रार्थना करती हैं। भाई अपनी बहनों की रक्षा और सहायता का वचन देते हैं। लखनऊ में आयोजित 'बिटिया और बहना–यूपी का गहना' स्नेहबंधन कार्यक्रम में छात्राओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राखी बांधी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार बेटियों की सुरक्षा, सम्मान, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन श्रद्धा और विश्वास के साथ समाज के स्वावलंबन और आर्थिक विकास से भी जुड़ा पर्व है। एक रिपोर्ट–

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में करीब 15 करोड़ राखियां बांधी जा रही हैं, जिससे स्थानीय कारीगरों, हस्तशिल्पियों और दुकानदारों को रोजगार तथा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की रोजगार में भागीदारी अब 36 प्रतिशत से अधिक हो गई है। बड़े शहरों में कामकाजी महिलाओं के लिए निःशुल्क छात्रावास बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि 27 से 29 अगस्त तक महिलाओं को सहयात्री के साथ रोडवेज और नगरीय बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार बेटियों को हर क्षेत्र में समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। समाचार कक्ष से अरूण।

****

प्रधानमंत्री जन धन योजना के आज बारह वर्ष पूरे हो गए हैं। यह देश में वित्तीय समावेशन के परिदृश्य को बदलने की दिशा में प्रमुख पड़ाव है। एक रिपोर्ट–

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पिछले 12 वर्षों में जन धन योजना के अभूतपूर्व परिवर्तनकारी परिणामों का प्रभाव बेमिसाल है। श्री मोदी ने कहा कि जन धन योजना, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और देश के लोगों को सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना का शुभारंभ प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में आज ही के दिन किया था। योजना के तहत अब तक 59 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं। यह योजना सभी भारतीयों के लिए बैंकिंग पहुंच को सुलभ बना रही है। योजना के तहत महिलाओं के लगभग 56 प्रतिशत खातों सहित 78 प्रतिशत खाते ग्रामीण या अर्ध–शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। दीपेंद्र की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से मैं मनोज।

****

नेपाल–तिब्बत सीमा पर अचानक आई विनाशकारी बाढ़ में मृतकों की संख्या बढ़कर चार सौ उनहत्तर हो गई है और सीमा के दोनों तरफ एक हजार पांच सौ पैंतालीस लोग लापता हैं। नेपाल के सुरक्षाकर्मियों ने प्रभावित जिलों से आठ सौ से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। एक रिपोर्ट–

भोटेकोशी नदी प्रणाली के स्रोत के पास नई झील बन गई है। इसके टूटने से पानी के एक और तेज बहाव की आशंका है। इससे बचाव कार्यों में बाधा आ सकती है। इस बीच, आज चीन के सिचुआन प्रांत में 5 दशमलव एक तीव्रता के भूकंप के बाद नेपाल में बाढ़ की नई चेतावनी जारी की गई है। अधिकारियों ने त्रिशुली क्षेत्र में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश दिया है। नेपाल पुलिस ने बताया कि तिब्बत की ओर स्थित एक बांध फिर टूट गया है। वहां के निवासियों और सुरक्षाकर्मियों से सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नेपाल में फंसे 290 भारतीय नागरिक अब भी लापता हैं। उनका पता लगाने और सुरक्षित निकालने के प्रयास जारी हैं। खोज और बचाव कार्यों में सहायता के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बात कर उन्हें सहायता का आश्वासन दिया। समाचार कक्ष से मैं सरफिरोजी।

****

इन्वेस्ट यूपी में नियमों के सरलीकरण के दूसरे चरण की प्रगति की आज लखनऊ में समीक्षा की गई। केंद्र और राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने कारोबारियों और नागरिकों पर अनुपालन का बोझ कम करने तथा विभिन्न मंजूरियों की प्रक्रिया तेज करने पर जोर दिया। बैठक की अध्यक्षता केंद्र सरकार के कैबिनेट सचिवालय के विशेष सचिव के.के. पाठक ने की। इसमें कैबिनेट सचिवालय के अतिरिक्त सचिव राहुल शर्मा भी मौजूद रहे। बैठक में खाद्य लाइसेंस, श्रम कानून, वस्तु एवं सेवा कर, अग्नि सुरक्षा, भवन स्वीकृति, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा बिजली कनेक्शन से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाने की समीक्षा हुई। अधिकारियों ने कहा कि नियम जरूरी हैं, लेकिन अनावश्यक बाधा नहीं बनने चाहिए। समीक्षा बैठक में प्रदेश की ओर से इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद, माध्यमिक शिक्षा विभाग की सचिव किंजल सिंह और राजस्व विभाग की सचिव दिव्या मित्तल सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए।

****

सावन माह के आखिरी दिन आज प्रदेश भर के मंदिरों और शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। काशी में ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालुओं की लम्बी कतार लगी रही वहीं अयोध्या में श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में आस्था की डुबकी लगाई और प्राचीन नागेश्वरनाथ मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया।

****